वर्ष - 2023

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
शारीरिक	6 2	

3869492

B-23

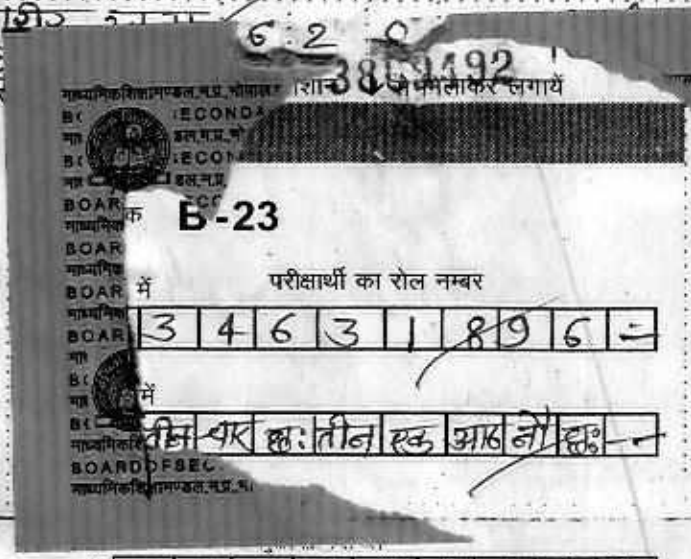

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

3	4	6	3	1	8	9	6	-
तीन	चार	छः	तीन	एक	आठ	नौ	छः	-

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

प्रश्न पत्र का सेट: B

क :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक: 09

ख :– परीक्षा का दिनांक: 28 | 03 | 2023

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्डरी परीक्षा

केन्द्र क्रमांक 461043

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर: रामेश्वर किलम

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाए।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा | परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों

प्रश्न क्रमांक - (1) का उत्तर

(अ) पुल्टिस का उपयोग होता है —
उत्तर→ (I) मोच आने पर।

(ब) पर्यावरण संकट का कारण है —
उत्तर→ (I) बढ़ती जनसंख्या।

(स) रक्त की प्रोटीन है —
(II) फाइब्रिनोजिन।

(द) गर्भाशय की चौड़ाई होती है —
उत्तर→ 7 सेमी.

(इ) मानव शरीर मे ज्ञानेन्द्रियों की संख्या होती है —
उत्तर→ (I) 5

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (2) का उत्तर

(अ) पट्टी बांधने के लिए ग्रेनी गांठ का उपयोग करते हैं।
उत्तर => असत्य।

(ब) बाल अपराधी की उम्र 30 वर्ष होती है।
उत्तर => असत्य।

(स) किशोरावस्था तूफान एवं तनाव की अवस्था है।
उत्तर => सत्य।

(द) शिराओं में शुद्ध रक्त बहता है।
उत्तर => असत्य।

(इ) सुषुम्ना शीर्ष अनैच्छिक क्रियाओं को नियंत्रित करता है।
उत्तर => सत्य।

(ई) आयोडीन की कमी से घेंघा रोग होता है।
उत्तर => सत्य।

(5)

क्र.

प्रश्न क्रमांक – (3) का उत्तर

(अ) श्वासनलिका में C आकार के 16–20 छल्ले पाये जाते हैं।

(ब) केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र का मुख्य भाग सुषुम्ना और मस्तिष्क है।

(स) कुत्ते के काटने से रेबीज या हाइड्रोफोबिया रोग होता है।

(द) जल प्रदूषण नियंत्रण कानून सन् 1974 में बनाया गया।

(इ) किशोर न्यायालय दिल्ली में स्थित है।

(ई) श्वेत रक्त कण का वैज्ञानिक नाम – ल्यूकोसाइट्स (W.B.C) है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (4) का उत्तर

(I)		(II)
(अ) मास्टर ग्रन्थि	—	पीयूष
(ब) पूर्व किशोरावस्था	—	12 से 17 वर्ष
(स) बेसीलस	—	छड़ के आकार के
(द) इरीथ्रोसाइट	—	हीमोग्लोबिन
(इ) नारी जनन अंग	—	गर्भाशय
(ई) सायटॉन	—	तंत्रिका कोशिका।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (5) का उत्तर

(अ) एड्स का पूरा नाम —

Acquired Immuno Deficiency Syndrom.

(ब) पर्यावरण अपकर्ष का अर्थ है - ~~प्रतिबकूल~~ प्रतिकूल परिवर्तन होना।

"हमारे चारो ओर के वातावरण में प्रतिकूल परिवर्तन होना ही पर्यावरण अपकर्ष कहलाता है।"

(स) जीवाणु की खोज ऐन्टोनी वॉन ल्यूवेन हॉक ने की।

(द) वायु की ऑक्सीजन द्वारा कार्बनिक भोजन का ऑक्सीकरण होने से जैविक ऊर्जा A.T.P. का उत्पन्न होना और कार्बन डाई-ऑक्साइड (CO_2) को बाहर निकलना ही श्वसन कहलाता है।

(इ) ऐन्ची आंख यह भी एक दृष्टि दोष है। जिसमें व्यक्ति टेढ़ा देखता है।

पृष्ठ ... प्राप्तांक   कुल अंक
EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – (6) का उत्तर

कृत्रिम श्वसन =>

कृत्रिम श्वसन जब व्यक्ति को भयंकर चोट, पानी में डूबने या दम घुटने पर प्राकृतिक रूप से वह श्वास नही ले पाता है और उसे एक विशेष प्रकार की विधि से श्वास दिलाया जाता है उसे ही कृत्रिम श्वसन कहते है।

प्रश्न क्रमांक – (8) का उत्तर

बाल अपराधी युवाओं मे (लड़के 16 साल से कम और लड़कियां 18 साल से कम) द्वारा नियमो के द्वारा उल्लंघन करना जिन्हें सिद्धान्तिक रूप से मुकदमे के दायरे मे नही लाया जा सकता है उसे बाल अपराधी कहते है।

प्रश्न क्रमांक – (9) का उत्तर (अथवा)

किशोरावस्था की कोई दो समस्याएं निम्न है –

1) विषमलिंगीय सम्बन्धो से सम्बा सम्बन्धी।
2) शरीर आकृति एवं स्वास्थ्य।
3) स्कूल काम-काज।
4) जीवन साथी का चुनाव आदि।

प्रश्न क्रमांक - (२०) का उत्तर

रक्त वाहिनियाँ तीन प्रकार की होती है -
I) धमनी
II) शिरा
III) केशिकाएँ

धमनी ⇒

हृदय के रक्त को शरीर के अंगो एवं फेफड़ो तक पहुँचाने वाली नलिकाएं धमनी कहलाती है। यह अनैच्छिक पेशियों की बनी होती है। धमनी की दीवारे मोटी और लचीली होती है। धमनी मे शुद्ध रक्त बहता है। और फुफ्फुस धमनी मे अशुद्ध रक्त बहता है। यह शरीर की गहराई पर पायी जाती है। धमनी रक्त के अभाव में पिचकती नही है। इसका रंग लाल या गुलाबी होती है। इसमे धमनी मे, रक्त दाब अधिक दाब होता है।

(II) शिरा ⇒

शिरा हृदय की ओर रक्त लाने वाली नलिका शिरा कहलाती है। शिरा मे अशुद्ध रक्त बहता है। इसका रंग नीला होता है। यह शरीर के बाहरी ओर पायी जाती है। यह रक्त निकलने पर पिचक जाती है। शिरा का रक्त दाब कम होता है। फुफ्फुस शिरा मे शुद्ध रक्त बहता है। इनकी दीवार पतली और कम लचीली होती है। इनमे शिरा मे रक्त एक ही रफ्तार मे रक्त बहता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

केशिकाएँ ⇒

यह अत्यंत छोटी नलिका होती है। केशिकाएँ समस्त शरीर पर तंतुओं जैसा जाल बनाती है। केशिकाएँ में केवल एक परत बनती है। यह अत्यन्त महीन होती है। यह केशिकाएँ कहलाती है।

प्रश्न क्रमांक - (19) का उत्तर अथवा

B
S
E

प्राथमिक चिकित्सक के कर्तव्य निम्न हैं -

1) प्राथमिक चिकित्सक को रोगी को दवाई के बारे में ध्यान रखना चाहिए है।

2) प्राथमिक चिकित्सक को यदि डॉक्टर समय से पूर्व न आये तो उन्हें उचित बीमारी से सम्बन्धित रख - रखाव या ठीक होने की जानकारी देना चाहिए।

3) यदि रक्त स्राव हो रहा हो तो उसे उचित तरीके से रक्त स्राव को रोकना चाहिए। यह प्राथमिक चिकित्सक का कर्तव्य है।

4) प्राथमिक चिकित्सक का कर्तव्य है कि रोगी को स्वच्छ वातावरण में रखना चाहिए।

न क्र.

5) प्राथमिक चिकित्सा का कर्तव्य यह है कि यदि रोगी को सांस लेने में तकलीफ हो तो उसे कृत्रिम श्वसन देना चाहिए।

6) रोगी की बीमारी ज्यादा होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना या उन्हें तुरंत बुलाना चाहिए।

7) यदि व्यक्ति या घायल, बीमार व्यक्ति ने जहर पी लिया हो तो उसे उल्टी करवाना चाहिए।

8) रोगी दुर्घटना के कारण हड्डियां टूटने या फ्रेक्चर होने पर सही उपचार करवाना चाहिए।

9) रोगी के साथ हसी मजाक का व्यवहार नही करना चाहिए उन्ही की मदद करनी चाहिए।

10) ज्यादा ही घायल की स्थिति या बेहोश हो जाने पर तुरंत ~~अस्तप~~ अस्पताल में भर्ती कराना चाहिए। या एम्बुलेंस तुरंत बुलाना चाहिए यह प्राथमिक चिकित्सा का कर्तव्य है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (18) उत्तर अथवा

एड्स रोग के कारण -

(1) H.I.V. संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित सम्बन्ध रखने से।

(2) एक या एक से अधिक स्त्री अथवा पुरुष से यौन सम्बन्ध रखने से।

B (3) वेश्याओ से यौन सम्बन्ध रखने से।

S (4) दूषित सुईयो एवं दूषित सिरिंजो के उपयोग से।

E (5) सँक्रमित माँ यदि गर्भधारण करती है तो उसके शिशु को भी यह बीमारी लग सकती है।

(6) एक -दूसरे के दूषित टूथब्रश या रेजर के उपयोग से।

(7) ~~रोगजक~~ रोगजनक जीवाणु — H.I.V. इसका ~~करका~~ पूरा नाम Humun Immuno Deficiency Virus है।

उपचार →

एड्स से बचाव ही इसका उपचार है। अत: हमें निम्न सावधानी रखनी चाहिए। जनतेपना स्वास्थ्य विभाग या सावजनिक अस्पताल में इसकी जानकारी देना चाहिए।

हमें इसके लिए निम्न उपचार या बचाव कर सकते हैं —

I) एक या एक से अधिक स्त्री अथवा पुरुष से यौन सम्बन्ध नहीं रखना चाहिए।

II) वेश्याओं के साथ यौन सम्बन्ध नहीं रखना चाहिए।

III) दूषित टूथब्रश या रेजर का उपयोग नहीं करना चाहिए।

IV) दूषित सुईयों एवं दूषित सिरिंजो के उपयोग नहीं करना चाहिए।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (17) का उत्तर

प्रमस्तिष्क के तीन कार्य निम्न है -
(I) प्रेरक केन्द्र ।
(II) संवेदना केन्द्र ।
(III) विशिष्ट संवेदना केन्द्र ।
(IV) उच्च मानसिक क्षमताओ के केन्द्र ।

(I) प्रेरक केन्द्र ⇒ ये पेशीय संस्थान की सभी ऐच्छिक पेशीय पर अधिकार रखते है।

(II) संवेदना केन्द्र ⇒ यह त्वचा तथा कम मात्रा में पेशियो, अस्थियो तथा जोड़ो में संवेदना का केन्द्र ।

(III) विशिष्ट संवेदना केन्द्र ⇒ विशिष्ट संवेदना का केन्द्र प्रमस्तिष्क का प्रमुख कार्य है। यह सुनने, सूंघने, देखने स्वाद तथा स्पर्श का ज्ञान इसके अंतर्गत होता है।

(IV) उच्च मानसिक क्षमताओ के केन्द्र -

उच्च मानसिक क्षमताओ के केन्द्र प्रमस्तिष्क में होता है। जैसे - चेतना, बुद्धिमता, विवेचन शक्ति, स्मरणशक्ति आदि ।

प्रश्न क्रमांक - (12) का उत्तर

पुरुष ~~प्रजनन~~ जननांगों के नाम निम्न है —

I) वृषण ।

II) वृषण कोष ।

III) शुक्रवाहिनी ।

IV) शुक्राशय ।

V) शुक्राणु ।

VI) शिश्न ।

VII) ग्रन्थियाँ आदि ।

योग पूर्व पृष्ठ
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (11) का उत्तर अथवा

धमनी	शिरा
1) इसका रंग लाल या गुलाबी होता है।	1) इसका रंग नीला होता है।
2) धमनी में शुद्ध रक्त बहता है।	2) शिरा में अशुद्ध रक्त बहता है।
3) धमनी की दीवारे मोटी और लचीली होती है।	3) शिरा की दीवारे पतली और कम लचीली होती है।

प्रश्न क्रमांक - (10) का उत्तर (अथवा)

जीवाणुओं से होने वाले दो रोगों के नाम -

1) हैजा — विब्रिओ कॉलरा के द्वारा।

2) टाइफाइड — सालमोनेला टाइफी।

प्रश्न क्रमांक - (13) का अथवा

पीयूष ग्रन्थि छोटी होती है तथा यह लाल भूरे रंग की होती है। यह छोटे मटर के दाने के बराबर होती है। यह खोपड़ी में स्थित होती है। यह मुख्य ग्रन्थि मानी जाती है। इसमें 13 हॉर्मोन्स पाये जाते है। यह विभिन्न अन्तः स्त्रावी ग्रन्थियों की क्रियाशीलता को प्रभावित करते है। इसलिए इसे पीयूष ग्रन्थि को मास्टर ग्रन्थि कहते है।

प्रश्न क्रमांक - (14) का उत्तर

दूरदृष्टि दोष यह आंखो का एक दोष है। इसमे उत्तल लैंस का उपयोग किया जाता है।

दूरदृष्टि दोष =>

दूरदृष्टि दोष मे प्रकाश की किरणे दूर से तो स्पष्ट दिखाई पड़ती है किन्तु निकट से प्रकाश की किरणे रेटिना पर पीछे केन्द्रित होती है अतः निकट की वस्तुए ठीक से नही दिखाई देती है।

लक्षण =>

I) वस्तु को दूर रखकर देखने का प्रयास किया जाता है।

II) सिर दर्द होता है।

III) आंखो में जलन, लाली व पानी निकलता है।

ST-16A4

योग पूर्ण पृष्ठ 18 क अंक पूर्ण अंक
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (16) का उत्तर

प्रजनन अंगो के कार्य निम्न है -

I) अण्डाशय ।
II) अण्डवाहिनी ।
III) गर्भाशय ।
IV) योनि ।
V) अण्डाणु ।

I) अण्डाशय ⇒ यह मुख्य स्त्री जनन अंग होता है। यह एक सफेद रंग की अंडाकार रचना होती है। यह उदरगुहा के पृष्ठ तल पर एक जोड़ी अण्डाशय स्थित होती है। अण्डाशय मे परिपक्व अण्डे का निर्माण होता है।

B
S
E

II) अण्डवाहिनी ⇒ यह एक मांसल नलिकाकार रचना होती है। यह दो भागो से मिलकर बनती है। इसका अग्र भाग सामने की ओर कीप के आकार की सरी होती है। जिसे मुखिका कहते है। मुखिका के मुंह पर रोमाभि होती है। मुखिका पर टेढ़ी मेढ़ी नलिकाएँ रहते है जिसे फैलोपियन नलिका कहते है। अण्डवाहिनी का कार्य यह अण्ड को अन्दर भेजने में सहायक होती है।

(III) गर्भाशय ⇒

अण्डवाहिनी का पिछला भाग चौड़ा होता है। इसकी रचना तिकोनी और चौड़ी होती है। गर्भाशय यह एक थैले के समान रचना होती है। इसकी चौड़ाई 75 मि.मी. होता है। फैलोपियन नलिका दोनो मिलकर एक हो जाती है इसे गर्भाशय कहते है। गर्भाशय मे भ्रूण का विकास होता है।

(IV) योनि ⇒

यह मुख्य स्त्री जनन अंग है। यह योनि एक योनि द्वार द्वारा शरीर से बाहर खुलता है। यह मूत्राशय के समीप खुलता है। योनि का मुख्य कार्य होता है। योनि का कार्य शुक्राणु को ग्रहण करना।

(V) अण्डाणु ⇒

यह गोल रचना होती है। अण्डाणु का निर्माण 28 दिन मे होता है। यह अण्ड को गर्भाशय मे खिसकाने का कार्य करता है। इसमे केन्द्रक और पोषक पदार्थ भी इसमें अण्डाणु मे होता है।

जनन अंगो का अन्य कार्य —

(I) निषेचन।
(II) गर्भधारण।
(III) भ्रूण विकास शिशुजन्म

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (17) का उत्तर अथवा

जल संरक्षण का अर्थ -

बारिश के पानी को लम्बे समय तक तालाब के जल को नदी के जल की सुरक्षा करना इकट्ठे इकट्ठे करके लंबे समय तक उपयोग में लाये जाते है उसे ही जल संरक्षण कहते है। हमें जल को दूषित नही करना चाहिए।

प्रश्न क्रमांक - (15) का उत्तर

जीवाणु के आर्थिक महत्व निम्न है
(अ) उद्योगों में लाभदायक जीवाणु होते है।

(I) डेयरी व्यवसाय ⇒ दूध की शर्करा को पचाकर प्रोटीन जम जाता है। जैसे दूध से छछा दही, पनीर आदि चीजे बनाई जाती है।

(II) ऐसीटिक एसिड का उपयोग ⇒ ऐसीटिक एसिड जीवाणु शंकर के घोल को एकत्रित कर सिरका बनाने मे जीवाणु सहायक होते है।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

न क्र.

(III) ऐल्कोहॉल का निर्माण ⇒

ऐल्कोहॉल का निर्माण मुख्य आधार जीवाणु है।

(IV) चाय, कॉफी एवं तम्बाकू व्यवसाय ⇒ जीवाणु के द्वारा चाय कॉफी कोको तैयार किये जाते है। जीवाणु पौधों की पत्ती पर बैठकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट का विघटन करते है।

(V) चर्म उद्योग ⇒

जीवाणु के द्वारा चमड़ा भी बनाने में सहायक होते है। जानवरों की खाल से हमें चमड़ा प्राप्त होता है। चमड़ा खाल की रोम, मांस और चर्बी पर रासायनिक क्रिया कर के चमड़े बनाये जाते है।

(VI) प्रतिजैविक दवाई ⇒

जीवाणु के द्वारा प्रतिजैविक दवाई तैयार की जाती है। यह जीवाणुनाशक और औषधि में इसका उपयोग किया जाती है। जैसे - स्ट्रेप्टोमाइसिन। इसकी अन्य जातियो के नाम निम्न है — I) स्ट्रेप्टोमाइसिन।

II) ऑरियोमाइसिन।

III) टेरामाइसिन।

IV) क्लोरोमाइसिटीन आदि।

प्रश्न क्र.

(ब) कृषि सहायक जीवाणु ⇒

जीवाणु का कृषि मे बहुत महत्व है। कृषि में जीवाणु भूमि की उर्वरा शक्ति बनाये रखते है।

(स) ~~स्वाच्छ~~ स्वास्थ्य में महत्व जीवाणु ⇒

जीवाणु के हमारे स्वास्थ्य में महत्व विशेष माना गया है। इससे विभिन्न बीमारी में सहायक होती है। जीवाणु भोजन के पाचन मे सहायक होता है। इस प्रकार जीवाणु के आर्थिक महत्व बहुत अधिक माना गया है।

B
S
E